ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:16.04.2024

उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-04-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	17/04/2024	18/04/2024	19/04/2024	20/04/2024	21/04/2024
वर्षा (मीमी)	1.0	0.0	0.0	1.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	35.0	36.0	36.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	18.0	18.0	17.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	65	65	65	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	16	18	12	12
पवन दिशा (डिग्री)	300	300	315	300	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	4	5	4	1

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (9 से 15 अप्रैल) के दौरान कोई वर्षा दर्ज नहीं की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.8 से 37.0 डिग्री सेल्सियस और 13.1 से 19.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 43-78% और 14-42% के बीच रही। हवा दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण और उत्तर-उत्तर-पश्चिम से 0.7-3.8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह के दौरान कुछ दिन आसमान में आंशिक बदल छाए रहे और हवा भी चलती रही। आगामी सप्ताह में क्रमशः 35.0-36.0oC और 17.0-18.0oC के बीच अधिकतम-न्यूनतम तापमान के साथ 1 मिमी की बहुत हल्की वर्षा होने की उम्मीद है। हवा 12-18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम-उत्तर, उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम-पश्चिम दिशा से चलने की उम्मीद है। 16 और 19 अप्रैल को कुछ स्थानों पर बहुत हल्की वर्षा होने की संभावना है जबकि शेष दिनों में शुष्क मौसम बना रह सकता है। 19 अप्रैल, 2024 को अलग-अलग स्थानों पर बिजली/ओलावृष्टि और तेज़ हवा (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी आने के संबंध में एक पीली चेतावनी दी गयी है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई समग्र क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान प्रणाली से पता चलता है कि 12 अप्रैल-18 अप्रैल तक अनुमानित प्रवृत्ति में भारी वर्षा और सामान्य से नीचे अधिकतम तथा सामान्य न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति देखी जाएगी। सिंचाई अनुप्रयोग और अन्य कृषि कार्यों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और खेत में खुली छोड़ी हुई कटी फसल को अच्छी तरह से संग्रहित किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

भारत मौसम विज्ञान विभाग से उपलब्ध पूर्वानुमान के अनुसार, खेती के कार्यों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और उपज को खेत में खुला नहीं छोड़ना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर/ फील्ड पी/ राइ	कटाई	परिपक्व फलियों की कटाई करें और खुले में रखे जाने पर फसल को प्रतिकूल मौसम की स्थिति से बचाएं। तदनुसार कृषि गतिविधियों तय करें।
उड़द/ मूँग	बुआई	उपलब्ध पूर्वानुमान के अनुसार बुआई निर्धारित की जा सकती है। इस फसल को गन्ने के साथ सहफसली भी किया जा सकता है।
गेहू	कटाई	परिपक्व अनाज की कटाई कर लेनी चाहिए और सिंचाई से बचना चाहिए क्योंकि इससे फसल में जमाव हो सकता है।
गन्ना	वानस्पतिक	सिंचाई अनुप्रयोग और अन्य कृषि गतिविधियाँ पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित की जानी चाहिए।
चारा ज्वार	बुआई	इस महीने के दूसरे पखवाड़े के दौरान चारा ज्वार की बुआई की जा सकती है और पूर्वानुमानित स्थितियों के अनुसार बुआई कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	-	गुम्मा रोग से प्रभावित फूल को तोड़कर हटा देना चाहिए। जब आम का फल मटर के आकार का हो जाए तो सिंचाई शुरू कर देनी चाहिए। बेसिन तैयार कर 10-15 दिन के अंतराल पर 2-3 सिंचाई करनी चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित की जानी चाहिए।
अरबी	बुआई	अगेती किस्मों की बुआई इस महीने की जा सकती है लेकिन बुआई कार्य पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
कद्दू वर्गीय सब्जियों	वानस्पतिक/फलदायी	कद्दूवर्गीय (कद्दू वर्गीय सब्जियों) फसल में पत्ती धब्बा रोग लगने पर मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल का छिड़काव करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	यदि दुधारू पशुओं में मास्टिटिस के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं। पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था का पर पूरा ध्यान दिया जाए। पीने के नालों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी पिलाना चाहिए। गर्मी की लहरों से बचने के लिए उचित वेंटिलेशन प्रदान करें।